ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 09-09-2022

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-09-09 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-09-10	2022-09-11	2022-09-12	2022-09-13	2022-09-14
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	38.0	37.0	37.0	36.0	37.0
न्यूनतम तापमान(से.)	28.0	27.0	26.0	26.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	49	55	54	56	60
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	27	29	34	32	33
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8.0	10.0	9.0	5.0	13.0
पवन दिशा (डिग्री)	164	166	138	140	109
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	4	7	7

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में आसमान में आंशिक बादल छायें रहने के साथ वर्षा नहीं होने की सम्भावना है।

सामान्य सलाहकार:

खेत में नियमित निगरानी रखें यदि कपास के खेत में बालवर्म कीट का प्रकोप दिखाई दे तो कार्बेरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण ढाई किलो प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करे इसके साथ 8 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन भी मिलाएं।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले पांच दिनों में आसमान में आंशिक बादल छायें रहने के साथ वर्षा नहीं होने की सम्भावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँग	मूंग की फसल में फली छेदक कीट के नियंत्रण हेतु क्यूनालफॉस 25 ई.सी.@ 1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
रेंड़ी	अरण्डी की फसल को सेमीलूपर के नियंत्रण के लिए एक लीटर क्यूनालफॉस 25 ई.सी का प्रति हैक्टेयर में छिडकाव करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
तिल	तिल की फसल में फाईलोडी रोग के नियंत्रण के लिए रोगी पौधों को उखाड़कर नष्ट कर देवे तथा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.सी. का 2 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	मिर्च की फसल में श्यामव्रण (एन्थ्रेक्नोज) रोग के नियंत्रण के लिए डाइफेन्कोनाझोल 25 ई.सी. आधा मिली लीटर का प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिडकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	लम्पी स्किन वायरल बीमारी है जो आर्थ्रोपोड फेमिली के मच्छर के काटने से होती है, जिसमे शुरू में 2 से 3 दिनों तक हल्का बुखार होता है। बीमारी में मुंह, गले एव श्वसन तंत्र में छाले, कमजोरी, दूध में कमी, गर्भपात तथा ज्यादा बीमारी में पशु की मृत्यु भी हो सकती है। उपचार- बीमारी की स्थिति मे पशुको स्वस्थ पशुओं से अलग रखें तथा बुखार की स्थिति मे पशुको मेलॉक्सिकैम और पैरासिटामोल दें तथा शरीर पर एन्टीसेप्टिक मलहम का प्रयोग करें तथा मल्टीविटामिन दें।